पतरस रौ पैलौ कागद

1 1यीशु मसीह रै प्रेरित पतरस कांनी सूं: परमेसर
रा वां टाळ्योड़ां लोगां रै नांव, जका पुन्तुस,
गलातिया, कप्पदुकिया, अेशिया अर बिथुनिया
रै खेत्रां मांय हर कठैई फैल्योड़ा है। 2थांनै, जकां नै
परम पिता परमेसर रै पूरबलै ग्यान मुजब टाळीज्या है,
जका आपरी आतमा रै कारज सूं उणनै समरपित होवै,
जकां नै उणरै आग्याकारी होवण सारू अर जिणां माथै
यीशु मसीह रै रगत-छिड़काव सूं पवित्र करीजण सारू
टाळीज्या है।

थांरै माथै परमेसर री किरपा अर सांती घणी सूं घणी
बणी रैवै।

सजीव आस

3आपां रै यीशु मसीह रौ परम पिता परमेसर धिन
होवै। मरयोड़ा मांय सूं यीशु मसीह रै पुनरुत्थान रै
मार्फत उणरी अपार करुणा मांय अेक सजीव आस
पावण सारू वौ आपां नै नूंवौ जलम दियौ है। 4जिणसूं
थे थांरै सारू सुरग में टाळ'र राख्योड़ै अजर-अमर
निरदोस अविणासी उत्तराधिकार नै हासल कर लेवौ।

5जका विस्वास सूं सुरक्षित है, वांनै वौ उद्धार हासल
होवै, जकौ समै रै छेहलै छोर माथै प्रगट होवण सारू
है। 6इण सूं थे घणा राजी हौ। हालांकै अबै थांनै थोड़ै
बगत सारू तरै-तरै री परीक्षावां में पड़'र दुखी होवणौ
घणौ जरूरी है। 7ताकि थांरौ परख्योड़ौ विस्वास,
जकौ अगन में परख्योड़ै सोनै सूं ई घणौ अमोलक है,
उणनै जद यीशु प्रगट होवैला तद परमेसर सूं सरावणा,
महिमा अर आदर मिळै।

8हालांकै थे उणनै देख्यौ नीं है, फेरूं ई थे उणसूं
प्रेम करौ। अबार थे उणनै देख नीं सकौ हौ, पण फेरूं
ई उणमें विस्वास राखौ हौ अर अेक अैड़ै आणंद सूं
भरीज्योड़ा हौ जकौ नीं कैवणजोग अर महिमावान
है। 9अर थे थांरै विस्वास रै परिणाम सरूप आपरी
आतमा रौ उद्धार कर रैया हौ।

10इण उद्धार रै विसय में वां नबियां घणी मैणत
सूं खोजबीण करी है अर घणी सावचेती रै सागै
ठाह लगायौ है, जकां थांरै माथै प्रगट होवण वाळी
किरपा बाबत पैलां ई भविसवाणी कर दीनी ही। 11वां
नबियां, मसीह री आतमा सूं औ जाण्यौ जकौ मसीह
माथै होवण वाळां दुखां नै बतावै हा अर वा महिमा
जकी आं दुखां रै पछै प्रगट होवैला। आ आतमा वांनै
बतावती ही। अै बातां इण दुनियां माथै कद होवैला
अर तद इण दुनिया रौ कांई होवैला।

12वांनै औ बताईजग्यौ हौ कै वां बातां रौ प्रवचन
करती बगत वै खुद आपरी सेवा नीं करै हा बल्कै थांरी
करता हा। वै बातां सुरग सूं भेज्योड़ी पवित्र आतमा रै
मार्फत थांनै सुभसंदेस रौ उपदेस देवण वाळां रै मार्फत
बताय दी ही। अर वां बातां नै जाणण सारू तौ सुरग
रा दूत ई तरसता रैवै।

पवित्र जीवण सारू बुलावौ

13इण वास्तै मनगत सूं सावचेत रैवौ अर खुद माथै
आंकस राखौ। उण वरदान माथै पूरौ भरोसौ राखौ
जकौ यीशु मसीह रै प्रगट होयां थांनै दिरीजैला।
14आग्या मानण वाळा टाबरां रै उनमान उण बगत
री बुरी इंछावां मुजब खुद नै मत ढाळौ, जकी थांरै
मांय तद ही जद थे अग्यानी हा। 15बल्कै जियां थांनै
बुलावण वाळौ परमेसर पवित्र है, बियां ई थे भी आपरै
हरेक करम मांय पवित्र बणौ। 16शास्त्र ई इयां इज कैवै:
"पवित्र बणौ, क्यूंकै म्हैं पवित्र हूं।"[a]

17अर जे थे, हरेक रै करमां मुजब बिना पखपात
न्याय करणिया परमेसर नै 'हे पिता' कैय'र पुकारौ
हौ तौ इण परदेसी धरती माथै आपरै रैवास काळ में
सन्मान वाळै डर रै सागै जीवौ। 18थे औ जाणौ हौ कै
चांदी कै सोनै जैड़ी चीजां सूं थांनै उण बिरथा जीवण सूं
छूटकौ नीं मिळ सकै, जकौ थांनै थांरै बडेरां सूं मिळ्यौ
है। 19बल्कै वौ तौ थांनै निरदोस अर कळंक विहूण
मेमनै रै उनमान मसीह रै अमोलक रगत सूं इज मिळ
सकै है। 20इण जगत री स्रिस्टी सूं पैलां इज उणनै टाळ
लियौ हौ, पण थां लोगां सारू उणनै आं आखरी दिनां

[a] ***1:16*** उद्धरण लैव्य व्यवस्था 11:44, 45; 19:2; 20:7

मांय प्रगट करयौ। 21उण मसीह रै कारण इज थे उण
परमेसर में विस्वास करता रैवौ, जकौ उणनै मरयोड़ा
मांय सूं पाछौ जींवतौ कर दियौ अर उणनै महिमा
बगसी। इण भांत थांरी आस अर थांरौ विस्वास
परमेसर में थिर होवै।
22अबै देखौ, जद थे सत्य रौ पाळण करता थकां
साचै भाईचारै रै प्रेम नै दरसावण सारू थांरी आतमा
नै पवित्र करली है तौ पवित्र मन सूं आपसरी में प्रेम
करण नै थांरौ लक्ष्य बणाय लेवौ। 23थां नासवांन बीज
सूं पाछौ जीवण हासल नीं करयौ है बल्कै औ उण
बीज रौ परिणाम है जकौ अमर है। थांरौ पाछौ जलम
परमेसर रै उण सुसंदेस सूं होयौ है जकौ सजीव अर
अटळ है। 24क्यूंकै शास्त्र कैवै:

"सगळा प्राणी घास री तरै है,
अर वांरी सगळी सज-धज जंगळी फूल री
तरै है।
घास मर जावै
अर फूल झड़ जावै।
25 पण प्रभु रौ सुभसंदेस हमेसा सारू टिक्योड़ौ रैवै।"
यशायाह 40:6-8

अर औ वौ इज सुभसंदेस है जिणरौ थांनै उपदेस
दिरीज्यौ है।

जींवतौ भाठौ अर पवित्र प्रजा

2 1इण वास्तै सगळी बुरायां, छळ-छद्मां, पाखंड
अर बैर-विरोधां अर आपसरी में दोस लगावण
सूं बच्चा रैवौ। 2नूंवै जलम्यै टाबर री भांत सुद्ध
आध्यात्मिक दूध सारू लालायित रैवौ जिणसूं कै थांरौ
विगसाव अर उद्धार होवै। 3अबै देखौ, थे तौ प्रभु री
किरपा रौ सुवाद ले ई लियौ है।
4यीशु मसीह रै नैड़ा आवौ। वौ जींवतौ भाठौ है। उणनै
संसारी लोगां नकार दियौ हौ, पण वौ परमेसर सारू
घणमोलौ है अर जकौ उणरै ई टाळ्योड़ौ है। 5थे लोग
ई जींवतै भाठै री भांत अेक आध्यात्मिक मिंदर रै रूप
में चिणीज रैया हौ ताकि अेक अैड़ै पवित्र याजकमंडळ रै
रूप में सेवा कर सकौ जिणरौ कर्तव्य अैड़ौ आध्यात्मिक
बळिदान समरपित करणौ है जकौ यीशु मसीह रै मार्फत
परमेसर नै चोखौ लागै। 6शास्त्र में लिख्यौ है:

"देखौ, म्हैं सिय्योन में अेक खूणै रौ भाठौ राखूं हूं,
जकौ घणमोलौ है अर टाळ्योड़ौ है
इण माथै जकौ ई भरोसौ करैला उणनै कदैई
लजखाणौ नीं पड़णौ पड़ैला।"
यशायाह 28:16

7थां विस्वासी लोगां सारू घणमोलौ है पण जका
भरोसौ नीं करै वां सारू:

"वौ इज भाठौ जिणनै कारीगरां नकार्‌यौ हौ
सगळां सूं महताऊ खूणै रौ भाठौ बणग्यौ।"
भजन संहिता 118:22

8अर वौ बणग्यौ:

"अेक अैड़ौ भाठौ जिणसूं लोगां नै ठबक लागै
अर अैड़ी अेक चाठ जिणसूं लोगां नै ठोकर
लागै।" *यशायाह 8:14*

लोग ठोकर खावै है, क्यूंकै वै परमेसर रै वचन री
पाळणा नीं करै अर बस औ इज वांरै सारू ठैराईज्यौ है।
9पण थे तौ टाळ्योड़ा लोग हौ, याजकां रौ अेक
राज, अेक पवित्र प्रजा, अेक अैड़ौ नर-समूह जकौ
परमेसर रौ आपरौ है, ताकि थे परमेसर रै अचरज जोग
करमां री घोसणा कर सकौ। वौ परमेसर जकौ थांनै
घोर अंधारै सूं सांतरै उजास में बुलायौ।

10 अेक समै हौ जद थे प्रजा नीं हा
पण अबै थे परमेसर री प्रजा हौ।
अेक समै हौ जद थे दया रा पात्र नीं हा
पण अबै थांरै माथै परमेसर दया दरसायी है।

परमेसर सारू जीवौ

11हे व्हाला मित्रां, थे इण संसार में अणसैंधां रै रूप
में हौ, म्हैं थांसूं अरज करूं हूं कै वां सारीरिक इंछावां
सूं अळघा रैवौ जकी थांरी आतमा सूं जूझती रैवै।
12विधरमियां रै बिचाळै थांरौ वैवार अैड़ौ ऊजळौ
बणायोड़ौ राखौ कै भलांई वै अपराधियां रै रूप
में थांरी आलोचना करै पण थांरै आछा करमां रै
फळसरूप परमेसर रै आवण वाळै दिन वै परमेसर नै
महिमा दिरावै।

अधिकारी री आग्या मानौ

13प्रभु सारू हरेक मानव अधिकारी रै आधीन रैवौ।
14राजा रै आधीन रैवौ। वौ सै सूं ऊंचौ अधिकारी है।
सासकां रै आधीन रैवौ। वांनै वौ कुकरमियां नै दंड
देवण अर आछा करम करण वाळां री सरावणा सारू
भेज्यौ है। 15क्यूंकै परमेसर री आ इज इंछा है कै थे थांरै
आछै करमां सूं मूरख लोगां री अग्यानी बातां नै चुप
कराय सकौ। 16आजाद आदमी री भांत जीवौ पण
उण आजादी नै भूंडै कामां री आड मत बणण दौ।
परमेसर रा सेवकां ज्यूं जीवौ। 17सगळां रौ आव-आदर
करौ। आपरै धरम भायां सूं प्रेम करौ। परमेसर सूं आदर
रै सागै डरौ। सासक रौ सन्मान करौ।

मसीह री जातना रौ दिस्टांत

18हे सेवकां, पूरै आदर रै सागै आपरै स्वामियां रै
आधीन रैवौ। नीं फगत वांरै जका आछा है अर दूजां
सारू चिंता राखै बल्कै वांरै पेटै ई जका करड़ा है।
19क्यूंकै जे कोई परमेसर रै पेटै सावचेत रैवता थकां
जातनावां सैवै अर अन्याय झेलै वौ सरावणजोग है।
20पण जे माड़ा करमां रै कारण थांनै कूटीजै अर थे
उणनै सैवौ हौ तौ इणमें सरावणा री कांई बात! पण जे
थे थांरै आछै करमां सारू सताईजौ तौ परमेसर सारू
औ सरावणजोग काम है। 21परमेसर थांनै इण सारू
बुलाया है, क्यूंकै मसीह ई आपां रै सारू दुख उठाया
है अर ऐड़ौ कर'र आपां रै सारू उदाहरण छोड्यौ है,
ताकि आपां ई उणी रै चरण-चिह्नां माथै चाल सकां।

22 "वौ कोई पाप नीं करयौ
अर ना ई उणरै मूंडै सूं कोई छळ री बात ई
निकळी।" *यशायाह 53:9*

23जद वौ अपमानित होयौ तद वौ किणी रौ अपमान
नीं करयौ। जद वौ दुख झेल्या, वौ किणी नै धमकी
नीं दी, बल्कै उण साचौ न्याय करणिया परमेसर रै
आगै अपणै आपनै अरपित कर दियौ। 24वौ क्रूस
माथै आपरै डील में आपां रै पापां नै ओढ लिया।
ताकि आपणै पापां रै पेटै आपां मर जावां अर जकौ
कीं नेक है उण सारू आपां जीवां। औ उणरै वां घावां
रै कारण इज होयौ जकां सूं थे चंगा करीज्या हौ।
25क्यूंकै थे भेड़ां ज्यूं भटकता हा पण अबै थे थांरै
अेवाड़ियै अर थांरी आतमावां रै रुखाळै कनै पाछा
बावड़ग्या हौ।

धणी अर लुगाई

3 1इणी भांत हे लुगायां, आप-आपरै धणियां रै
पेटै समरपित रैवौ। ताकि जे वां मांय सूं कोई
परमेसर रै वचन री पाळणा नीं करै तौ थांरै पवित्र अर
आदरजोग चाल-चलण नै देख'र बिना किणी बंतळ
रै इज आप-आपरी लुगायां रै वैवार सूं जीतीज जावै।
2थांरौ साज-सिणगार दिखावटी नीं होवणौ चाईजै।
3मतळब कै जकौ बाळां री वेणियां सजावण, सोनै
रा गैणां-गांठां पैरण अर आछा-आछा गाभा-लत्तां सूं
करयौ जावै, 4बल्कै थांरौ सिणगार तौ थांरै मन रौ
मांयलौ आपौ होवणौ चाईजै जकौ कंवळौ अर सांत
आतमा रै अविणासी फूठरापै सूं लड़ालूम होवै अर
परमेसर री दीठ में जकौ अमोलक होवै।

5क्यूंकै बीत्योड़ै जुग री वां पवित्र लुगायां रौ,
अपणै आपनै सजावण-संवारण रौ औ इज ढाळौ हौ,
जिणां री आसावां परमेसर माथै टिक्योड़ी है। वै आपरै
धणियां रै आधीन बियां इज रैवती ही। 6जियां इब्राहीम
रै आधीन रैवण वाळी सारा जकी उणनै आपरौ धणी
मानती ही। थे ई बिना किणी डर रै जे आछा करम करौ
हौ तौ उणरी इज बेटी हौ।

7इयां ई हे धणी मिनखां, थे थांरी लुगायां रै सागै
स्याणप सूं रैवौ। वांनै निबळी जाण'र वांरौ आदर करौ।
मिनखाजूण रै वरदान में थांनै थांरौ सह उत्तराधिकारी
मानौ ताकि थांरी प्रार्थनावां में अटकाव नीं आवै।

सतकरमां सारू दुख झेलजौ

8अंत में थां सगळां नै समान विचार, सहानुभूतिसील,
आपरै बंधुवां सूं प्रेम करण वाळौ, दयालु अर कंवळै
हिरदै रौ बणणौ चाईजै। 9अेक बुराई रौ बदळौ दूजी
बुराई सूं मत देवौ। या अपमान रै बदळै अपमान मत
करौ बल्कै बदळै में आसीस देवौ, क्यूंकै परमेसर थांनै
अैड़ौ इज करण सारू बुलाया है। इणी सूं थांनै परमेसर
री आसीस रौ उत्तराधिकारी मिळसी। 10शास्त्र कैवै है:

"जकौ जीवण रौ आणंद उठावणौ चावै
जकौ समै री सद्गत देखणौ चावै
उणनै चाईजै कै वौ कदैई ओछा बोल नीं बोलै।

वौ आपरै होठां नै कपट-वाणी बोलण सूं रोकै
11 उणनै चाईजै कै जकौ भलौ नीं व्है उणसूं मूंडौ
फेरलै अर वां कामां नै नित करै, जका
भलेरा होवै।
उणनै चाईजै कै सांति पावण सारू खैचळ
करै, उणनै चाईजै कै वौ सांति रौ
अनुसरण करै।
12 प्रभु री आंख्यां वां माथै इज टिक्योड़ी है जका
आछा है
प्रभु रा कान वांरी प्रार्थनावां माथै लाग्योड़ा है,
जका माड़ा करम करै।
प्रभु वांसूं हमेसा मूंडौ फेरयौ राखै।"

भजन संहिता 34:12-16

13 जे थे उणनै इज करण सारू लालायित रैवौ जकौ
आछौ है तौ भलां थांनै कुण हाण पुगाय सकै है।
14 पण जे थांने भलै काम सारू दुख ई उठावणौ पड़ै
तौ थे धिन हौ। "इण वास्तै ना तौ वांरै किणी डर सूं
डरपौ अर ना ई आकळ-बाकळ होवौ।" 15 आपरै मन
में मसीह नै प्रभु रै रूप में आदर देवौ। थे सगळा जिण
विस्वास नै राखौ हौ, उण बाबत जे कोई थांसूं पूछै तौ
उणनै उथळौ देवण सारू हमेसा त्यार रैवौ। 16 पण औ
नरमाई अर आदर रै सागै इज करौ। आपरौ हिरदै सुद्ध
राखौ ताकि यीशु मसीह में थांरै आछै आचरण री निंदा
करण वाळा लोग थांरौ अपमान करता थकां लजावै।
17 जे परमेसर री इंछा आ इज है कै थे दुख उठावौ
तौ आछा करम करता थकां दुख झेलौ, नीं कै माड़ा
करम करता थकां।

18 क्यूंकै मसीह भी आपां रै पापां सारू
दुख झेल्यौ है।
मतळब वौ जकौ निरदोस हौ
आपां पापियां सारू अेकर मरग्यौ
ताकि आपां नै परमेसर रै नैड़ा ले जावै।
सरीर रै भांय तौ वौ मरग्यौ
पण आतमा रै भाव जीवाईज्यौ।

19 आतमा री स्थिति में इज वौ जाय'र जकी बंदी
आतमावां ही, वांनै संदेस दियौ। 20 जकी उण बगत
परमेसर री आग्या नीं मानण वाळी ही। जद नूह री नाव
बणाईजै ही अर परमेसर धीरज रै सागै बाट जोवै हौ
उण नाव में थोड़ा-सा, मतळब फगत आठ मिनख इज
पाणी में डूबण सूं बच्या हा। 21 औ पाणी उण बपतिस्मै रै
उनमान है जिणसूं अबै थांरौ उद्धार हुवै है। इणसूं डील
रौ मैल छुडावणौ नीं, बल्कै अेक सुद्ध मन-अंतस सारू
परमेसर सूं विणती है। अबै तौ बपतिस्मौ थांनै यीशु
मसीह रै पुनरुत्थान सूं बचावै। 22 वौ सुरग में परमेसर रै
जींवणै बिराजै, अर अबै सुरगदूत, अधिकारी लोग अर
सगळी सगतियां उणरै आधीन करीजगी है।

बदळ्योड़ौ जीवण

4 1 जद मसीह सारीरिक दुख झेल्यौ तौ थे ई
उणी मनगत नै शास्त्र रै रूप में धारण करौ,
क्यूंकै जकौ सारीरिक दुख झेलै, वौ पापां सूं छूटकौ
पाय लेवै। 2 इण वास्तै वौ फेरूं मानवीय इंछावां
रौ अनुसरण नीं करै, बल्कै परमेसर री इंछा मुजब
करम करता थकां, आपरै बाकी बच्योड़ै भौतिक
जीवण नै समरपित कर देवै। 3 क्यूंकै थे अबार तांई
अबोध आदम्यां जियां विसय-भोगां, वासनावां,
पियक्कड़पणै, उणमाद सूं भर्योड़ा आमोद-परमोद,
मधुपान उच्छबां अर घिरणा वाळी मूरती-पूजावां में
धपाऊ समै बिताय चुक्या हौ।
4 अबै जद थे इण घिरणा वाळै रैण-सैण में वांरौ
सागौ नीं देवौ हौ, तौ वांनै अणूंतौ अचरज होवै है।
वै थांरी निंदा करै। 5 अबार जका जींवता है या मरग्या
है, वांनै आपरै वैवार रौ लेखौ-जोखौ उण मसीह नै
देवणौ पड़सी जकौ वांरौ न्याय करण वाळौ है। 6 इण
वास्तै वां विस्वासियां नै जका मरग्या है, सुभसंदेस रौ
उपदेस दिरीज्यौ कै सारीरिक रूप सूं भलांई वांरौ न्याय
मानवीय लेखै होवै पण आत्मिक रूप सूं वै परमेसर
री आंकस में रैवै।

आछा प्रबंधकर्ता बणौ

7 वौ समै साव नैड़ौ है जद सौ-कीं खतम व्है जावैला।
इण वास्तै स्याणा बणौ अर खुद माथै आंकस राखौ,
जिणसूं कै थांनै प्रार्थना करण मांय मदद मिळै।
8 अर सगळां सूं बडी बात आ है कै अेक-दूजै रै
पेटै लगोलग अपणायत बणायी राखौ, क्यूंकै प्रेम
सूं अणगिण पापां रौ निवारण होवै है। 9 बिना कीं
कैयां-सुण्यां अेक-दूजै री आवभगत करौ। 10 जिण

किणी नै परमेसर कांनी सूं जकौ ई वरदान मिळ्यौ है, उणनै चाईजै कै परमेसर री मोकळी किरपा नै आछा प्रबंधकां जियां अेक-दूजै री सेवा सारू बरतौ। 11जकौ कोई प्रवचन करै, वौ इयां करै जियां जाणै परमेसर सूं मिळ्योड़ा वचनां नै इज सुणाय रैयौ है। जकौ कोई सेवा करै, वौ उण सगती रै सागै करै जकी परमेसर उणनै देवै। इण सूं सगळी बातां मांय यीशु रै मार्फत परमेसर री महिमा होवै। महिमा अर सामरथ नित-नितू उणी री है। आमीन!

मसीही रै रूप में दुख झेलजौ

12हे व्हाला मित्रां, थांरै बीचली अर थांनै परखण वाळी इण अगन-परीक्षा माथै इण भांत अचरज मत करजौ जियां कै थांरै सागै कोई अणहोणी घटणा घटती होवै, 13बल्कै आणंद मनावौ कै थे मसीह री जातनावां मांय पांती पड़वाय रैया हौ। ताकि जद उणरी महिमा प्रगट होवै तद थे ई आणंदित अर मगन होय सकौ। 14जे मसीह रै नांव माथै थे अपमानित होवौ तौ उण अपमान नै सैवौ, क्यूंकै थे मसीह रा अनुयायी हौ, थे धिन हौ, क्यूंकै परमेसर री महिमावान आतमा थांरै मांय वासौ करै है। 15इण वास्तै थां मांय सूं कोई भी अेक हत्यारौ, चोर, कुकरमी कै दूजै रै काम में रोड़ा अटकावणियौ बण'र दुख मत उठाईजौ। 16पण जे वौ अेक मसीही होवण रै नातै दुख झेलै है तौ उणनै लजखाणौ पड़ण री जरूरत कोनी, बल्कै उणनै तौ परममेसर नै महिमा देवणी चाईजै कै वौ इण नांव नै धारण करै है। 17क्यूंकै परमेसर रै आपरै परिवार सूं इज सरू होय'र न्याय सरू होवण रौ बगत आय पूग्यौ है। अर जे औ आपां सूं इज सरू होवै तौ जकां परमेसर रै सुभसंदेसां री पाळणा नीं करी है, वांरौ परिणाम कांई होवैला?

18 "जे अेक धारमिक मिनख रौ ई कल्याण होवणौ
अबखौ है
तौ परमेसर विहूण अर पापियां रै सागै कांई
वेला बीतैला।" *नीतिवचन 11:31*

19तौ पछै जका परमेसर री इंछा मुजब दुख झेलै, वांनै आछा करम करता थकां उण भरोसैमंद अर सिस्टी रा रचयिता नै आप-आपरी आतमावां सूंप देवणी चाईजै।

परमेसर रौ जन-समूह

5 1अबै म्हैं थांरै बिचाळै बैठा बडेरा लोगां सूं अरज करूं हूं; म्हैं जकौ खुद अेक बूढौ आदमी हूं अर मसीह जकी जातनावां झेली है, वांरौ साखीधर हूं अर वा भावी महिमा जकी प्रगट होवण वाळी है, उणरौ सैभागी हूं। 2मारग बतावणियै परमेसर रौ जन-समूह थांरी देखरेख में है अर पारखी रै रूप में थे उणरी सेवा करौ हौ; किणी रै दबाव रै कारण नीं, बल्कै परमेसर री इंछा मुजब अैड़ौ करण री मनस्या रै कारण थे थांरौ औ काम धन कै लोभ-लाळच में नीं बल्कै सेवा करण रै पेटै खुद रै उछाव सूं करौ हौ। 3जका थांनै देखरेख सारू सूंपीज्या है, थे वांरा करड़ा अर निरकुंस सासक मत बणौ। बल्कै लोगां सारू अेक आदर्स बणौ। 4ताकि जद वौ प्रधान रुखाळौ प्रगट होवै तौ थांनै जीत रौ मोटौ मुगट मिळै, जिणरी सोभा कदैई नीं घटै।

5इणी भांत हे जोध जवानां! थे थांरै धरम रा बडेरां रै आंकस में रैवौ। थे अेक-दूजै रै पेटै अपणायत धारौ, क्यूंकै:

"परमेसर अभिमानियां रौ विरोध करै
पण दीन लोगां माथै हमेस किरपा करै।"
नीतिवचन 3:34

6इण वास्तै परमेसर रै महिमा वाळै हाथ रै हेठै खुद नै निवावौ। ताकि वौ औसर आयां थांनै ऊंचा उठावै। 7थे थांरी सगळी चिंतावां उण माथै छोड दौ, क्यूंकै वौ थांरै सारू चिंता करतौ रैवै।

8खुद माथै आंकस राखौ। सावचेत रैवौ। थांरौ बैरी सैतान अेक गरजतै सिंघ जियां इन्नै-बिन्नै घूमतौ इण ताक में रैवै कै जकौ ई मिळै उणनै फाड़ खावै। 9उणरौ विरोध करौ अर आपरै भरोसै माथै जम्या रैवौ, क्यूंकै थे तौ जाणौ इज हौ कै आखै संसार में थांरा भाई-बैन अैड़ी'ज जातनावां झेल रैया है।

10पण सगळी किरपा रौ स्रोत परमेसर, जकौ थांनै यीशु मसीह मांय अणंत महिमा रौ सैभागी बणण सारू बुलायौ है, थांरै थोड़ै बगत सारू जातनावां झेल्यां पछै खुद इज थांनै थरपित करैला, सिमरध बणावैला अर थिरता बगसैला। 11उणरी सगती अणंत है। आमीन।

कागद रौ निवेड़ौ

12म्हैं थांनै औ नेन्हौ'क कागद, सिलवानुस रै सैयोग
सूं, जिणनै म्हैं म्हारौ भरोसैमंद भाई मानूं, थांरी हूंस
बधावण सारू कै परमेसर री साची किरपा आ इज
है, इण बात री साख भरण सारू लिख्यौ है। इण माथै
इज टिक्योड़ा रैवौ।

13बाबुल री कलीसिया जकी थांरै जियां ई
परमेसर कांनी सूं टाळीजी है, थांनै नमस्कार कैवै।
मसीह में म्हारै बेटै मरकुस रौ ई थांनै नमस्कार।
14हेत भर्‌या व्हाला लेय'र अेक-दूजै रौ सुआगत-
सत्कार करौ।

थां सगळां नै, जका मसीह में हौ, सांति मिळै।